22 April
UG Sem II

(15) सभी सरकारी एवं निजी व्यवसाय संगठनों को सामाजिक रूप से गैर लाभ में चल रहे हैं। व्यापारियों के पक्ष में सामग्री आपूर्ति करनी चाहिए।

(16) दलितों की सुरक्षा राज्य की एक मात्र दायित्व होना चाहिए। जातिवादी संघर्ष से जूझते क्षेत्रों की पहचान कर वहाँ सशस्त्र बल तयनात कीए जाए। आत्म रक्षा के मद्देनजर रखते हुए दलितों को हथियारों के लैसेंस प्रदान किए जाए। इतना ही नहीं दलित महिलाओं को हथियार चलाने का विशेष प्रशिक्षण दिया जाए।

(17) हाथ से मैल साफ कराने जैसा प्रकार तत्काल समाप्त कर जाई जाई। इस पेशे में शामिल दलितों के लिए पुनर्वास कार्यक्रम और रोजगार उपलब्ध कराए जाए।

(18) कॉरपोरेट और उद्योग सहित सभी निजी प्रतिष्ठानों में दलितों की कुशलता और क्षमता बढ़ाने के लिए सकारात्मक प्रयास किए जाए।

(19) संसद एवं राज्य विधान सभाओं में अनुसूचित जाति, जनजाति आयोग और सफाई कर्मचारीयों से जुड़ी वार्षिक रिपोर्ट पर सलना बहस कराई जाए और बहस के नतीजों पर तुरन्त कारवाई की जाए। इस संबंध में वार्षिक

MY SCHOLAR

Scanned with CamScanner

एवं वर्तमान रिपोर्ट को जनता के सामने सार्वजनिक किया जाए।

(20) न्यायपालिका एवं रक्षा के क्षेत्र में दलितों के लिए तय आरक्षण नीति का पालन हो। न्यायपालिका में नामांकन प्रणाली खत्म करके नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए

(21) संसद एवं राज्यविधान सभाओं को पिछले 25 वर्षों के दौरान आरक्षण की वास्तविक स्थिति संबंधि वार्षिक रिपोर्ट चर्चा के लिए उपलब्ध कराई जाए। दलितों के खाली पड़े आरक्षित पदों को तत्काल भर दिया जाए। और उन पदों पर सिर्फ दलित उम्मीदवार उम्मीदवार को ही नियुक्ति किया जाए। Stop

* दलितों की समस्याएँ

→ (1) आर्थिक समस्याएँ :- इसमें संदेह नहीं है, कि आर्थिक किसी भी समूह के सुख एवं प्रगति का सबसे प्रमुख कारण है। और इसी लिए कहा जाता है, कि राजनितिक स्वतन्त्रता, आर्थिक स्वतन्त्रता के बीना केवल एक कल्पना मात्रा है। इस संबंध में दलितों की समस्या सबसे गंभीर है।

Scanned with CamScanner